

मौलिक रूपांतरकारी नेतृत्व (रैडिकल ट्रांसफॉर्मेशनल लीडरशिप) 2025

सत्र 1: 12-14 सितंबर 2025 (शुक्र-रविवार)
सत्र 2: 31 अक्टूबर - 2 नवंबर 2025 (शुक्र-रविवार)
सत्र 3: 5-7 दिसंबर 2025 (शुक्र-रविवार)

यह रूपांतरकारी कार्यक्रम हमारे अंदर की पूरी क्षमता और नैतिक नेतृत्व को जागृत करने के लिए बनाया गया है, जो दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करता है, ताकि हम अपने जीवन, कार्य और समाज में बदलाव ला सकें, और अपने पहल(प्रोजेक्ट्स) का नेतृत्व एक संपूर्ण प्रणाली पद्धति और डिज़ाइन सिद्धांतों का उपयोग करके कर सकें। यह आपको अपनी पहुंच और सार्वभौमिक-प्रभाव को बढ़ाने के लिए विभिन्न दृष्टिकोण, ढांचे और उपकरण प्रदान करेगा, जिससे आप एक अग्रणी पहल की रचना कर सकें, जो अपने प्रोजेक्ट्स के नेतृत्व और स्थानीय तथा वैश्विक स्तर पर सार्वभौमिक-प्रभाव डालने के तरीकों को रूपांतरित करेगा। यह कार्यक्रम सार्वजनिक, निजी, और गैर-लाभकारी संगठनों के स्थापित या उभरते लीडरों को परिणाम/कार्य -आधारित सहयोग बनाने और मौलिक बदलाव लाने का अवसर प्रदान करता है।

पृष्ठभूमि

RTLWorks सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो सभी के कल्याण के प्रति समर्पित व्यक्तियों और संगठनों के समूह के माध्यम से काम करता है, और यह आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक है।

हर कोई एक मौलिक रूपांतरकारी लीडर बन सकता है और हमारे समाज, घर या कार्यस्थल में मौजूद चुनौतियों का समाधान करने में योगदान दे सकता है। इसके लिए हमें अपने भीतर की क्षमताओं का स्रोत बनाकर नए रूपांतर और बदलाव लाने की आवश्यकता है। इसका तात्पर्य यह है कि हम अव्यावहारिक सांस्कृतिक मानदंडों और असाध्य प्रणालियों को बदलकर विशिष्ट परिणाम उत्पन्न कर सकते हैं।

आज हम अपने ग्रह और मानवता के लिए ऐसे संघर्षों और संकटों का सामना कर रहे हैं जो हमारे अस्तित्व की नींव को हिला देते हैं। भले ही हमें पता है कि कैसे अन्याय और गरीबी की समस्याओं को सुलझाना है, पर्यावरणीय संकट का जवाब देना है, और जिन सबका हमारे पास संसाधन हैं; अक्सर, हम न तो अपने कल्याण के लिए कार्य करते हैं और न ही एक समृद्ध समुदाय और ग्रह बनाने के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों का समाधान करते हैं। इन कार्यों और हमारी गहरी मान्यताओं के बीच एक समन्वय की कमी है, जो टुकड़ों में प्रतिक्रियाओं की ओर ले जाती है। हमें अपनी मूलभूत मान्यताएँ, जैसे कि देखभाल और गरिमा के साथ संरक्षित होना चाहिए। ये गहरी मूल्य "सार्वभौमिक आंतरिक मूल्य" हैं, जो हर किसी पर, हर जगह लागू होती हैं, न कि केवल उनके लिए जो हमारे करीब हैं।

समाधान हमारी क्षमता में निहित है, जो समाज और संस्थानों में बड़े पैमाने पर कार्यक्रमों को अधिक टिकाऊ और समतापूर्ण रूप से डिज़ाइन और क्रियान्वित करने में सक्षम बनाती है। इसके लिए, हमें नए अवसरों की पहचान करनी होगी, अल्पकालिक और दीर्घकालिक सोच को एकीकृत करना होगा और ज्ञान व प्रौद्योगिकी का उपयोग करके नए पैटर्न और प्रणालियाँ विकसित करनी होंगी। यह सब मूल्यों को आत्मरूपित करने, सभी का सम्मान करने और विविधता को अपनाने के माध्यम से संभव है। इसके लिए एक ऐसी सांस्कृतिक रूपांतरण की आवश्यकता है, जो बड़े पैमाने पर और टिकाऊ हो, जिसे सृजनात्मक वार्तालाप और कार्य के माध्यम से साकार किया जा सके, जो सभी के कल्याण और समान वृद्धि को बढ़ावा दे।

हमें कुछ महत्वपूर्ण प्रश्नों का सामना करना पड़ता है और उन्हें पूछना आवश्यक है:

- क्यों विश्व की 1% आबादी वैश्विक संपत्ति का 44% हिस्सा रखती है? (क्रेडिट सुइस ग्लोबल वेल्थ रिपोर्ट 2019)
- क्यों हमारे देश - और दुनिया - को अन्याय, सामाजिक बहिष्कार, असमताओं और विषमताओं से चुनौती मिलती रहती है?
- भारतीय अर्थव्यवस्था अब दुनिया की 12वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, फिर भी हर 30 मिनट में एक किसान आत्महत्या क्यों कर लेता है? मतभेदों और विविधता के प्रति बढ़ती असहिष्णुता क्यों है?

इन प्रश्नों का उत्तर देने के लिए हमें अतीत के बंटे हुए दृष्टिकोणों को छोड़ना होगा और नई सोच, कार्यप्रणाली, और व्यवहार अपनाना होगा, जो वर्तमान विकास अभ्यासों के सिद्धांतों और स्वभाव को मूल रूप से बदल सकें।

भारत में परोपकारी और कॉर्पोरेट सहभागिता बढ़ रही है, और इसका हमारी समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालने की क्षमता है, खासकर पर्यावरणीय, सामाजिक और शासन चुनौतियों को टिकाऊ उपायों के माध्यम से संबोधित करने के लिए। स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्रों (स्कूलों और कॉलेजों) में नेतृत्व को बदलना और विकसित करना एक कार्यात्मक अवसर है, जो भारत की जनसांख्यिकीय संरचना और युवा आबादी को देखते हुए, 'जिम्मेदार वैश्विक नागरिकता और विश्व के युवाओं' की नई पीढ़ी को तैयार कर सकता है। यह नागरिकों से यह अपेक्षा करता है कि वे न केवल महामारी का सामना करें, बल्कि अपने भीतर की क्षमता को पहचानें और ऐसे समाज का निर्माण करें जो स्वास्थ्य और कल्याण पर जोर देता हो।

कार्यक्रम का उद्देश्य

लीडरों और संगठनों को बढ़ावा देना जो अपनी पूरी क्षमता का स्रोत नैतिक नेतृत्व के लिए करते हैं और सार्वभौमिक मूल्यों के आधार पर समस्याओं के समाधान के लिए प्रणालियों और सांस्कृतिक मानदंडों में बदलाव करके मानव और पर्यावरणीय कल्याण के लिए एक से ज्यादा सैद्धांतिक नज़रिया रखते हैं।

लक्ष्य

1. कार्यात्मक और नैतिक कार्यों के लिए अपनी रचनात्मकता और पूरी क्षमता का स्रोत बनना।
2. जीवन में अपने उद्देश्य को साकार करने और इसमें योगदान देने के लिए मनुष्य की क्षमता का पता लगाना, साथ ही अव्यवहारिक प्रणालियों को बदलकर परिणाम उत्पन्न करना।
3. अन्याय और असमानता की प्रणालियों को बदलने के लिए प्रणाली के प्रभावी-उपयोग और कार्यात्मक चालकों की पहचान करते समय पैटर्न सोच को प्रोत्साहित करना, समस्याओं को तालमेल के साथ हल करना।
4. बड़ी पहल के संदर्भ में प्रभावी कार्यान्वयन कार्यात्मकता का निर्माण करना ताकि परिणाम और सार्वभौमिक-प्रभाव उत्पन्न हो सके; और जानें कि क्रियाशील रहते हुए असफलताओं को सफलताओं में कैसे बदला जाए, खासकर महामारी से निपटने के लिए।
5. कार्यात्मक कार्यों और परिणामों को संरक्षित और तैयार करना ताकि समता और टिकाऊ परिवर्तन स्थापित किया जा सके। हमारे विचारों को त्वरित परिणामों और दीर्घकालिक एवं बड़े पैमाने पर स्थायी प्रभाव के लिए पैमाने पर लाने के लिए परिचालन कार्यात्मकता को डिजाइन करना।

6. प्रतिभागियों को परियोजनाओं के प्रबंधन से आगे बढ़कर रूपांतरकारी बदलाव का नेतृत्व करने और नैतिकता और सार्वभौमिक मूल्यों के आधार पर ठोस परिणाम देने के लिए सक्षम बनाना; नियमित गतिविधियों में परिवर्तन तकनीकों और कार्यप्रणालियों का अभ्यास करना। क्षेत्रों, मुद्दों, और क्षेत्रों में परिणाम-उन्मुख साझेदारियां बनाना, जो प्रत्येक परियोजना को महत्वपूर्ण रूप से मजबूत करेंगी और सूक्ष्म और व्यापक स्तरों पर बड़े पैमाने पर सार्वभौमिक-प्रभाव और परिवर्तन सुनिश्चित करेंगी।
7. उन शक्तिहीन करने वाली और बहिष्कृत करने वाली प्रथाओं और 'वाद'(isms) की पहचान करना और उन्हें रोकना जो समाज और ग्रह के उत्थान की कार्यनीतियों और परियोजनाओं को सीमित करते हैं।
8. नैतिक कार्य और परिणामों के लिए अंतःविषय कार्यनीतियों का निर्माण करना जो तालमेलपूर्ण समाधानों के लिए समर्पित हों।

कार्यक्रम के बारे में

RTL एक परिवर्तनात्मक नेतृत्व कार्यक्रम है जिसे विश्वभर में सिद्ध किया गया है कि यह मौलिक बदलाव लाने में सक्षम है। यह एक अनोखा संपूर्ण प्रणाली परिवर्तन-उन्मुख, क्रियान्वयन के माध्यम से सीखने का कार्यक्रम है, जो हमें हमारे अस्तित्व के सार—हमारी गहरी मान्यताओं और वर्तमान विशेषज्ञता में स्थापित करता है। यह हमें एक से ज्यादा नजरियों को धारण करने में सक्षम बनाता है और सांस्कृतिक और प्रणाली-स्तर के परिवर्तनों के लिए डिज़ाइन करने में मार्गदर्शन करता है।



मॉडल

कार्यक्रम एक अनुष्ठे प्रतिक्रिया मॉडल - जागरूकता पूर्ण स्पेक्ट्रम प्रतिक्रिया (CFSR) मॉडल - का उपयोग करेगा, जो नई पीढ़ी की सोच का एक अत्याधुनिक मॉडल है और जिसे विश्वभर में परिवर्तनकारी बदलाव लाने के लिए सिद्ध किया गया है। इसे डॉ. मोनिका शर्मा (पुस्तक "Radical Transformational Leadership: Strategic Action for Change Agents" की लेखिका) द्वारा डिज़ाइन किया गया है। यह पुस्तक 35 वर्षों से भी अधिक समय तक लोगों के विकास के लिए विभिन्न तरीकों, ढांचे, और उपकरणों के उपयोग से प्राप्त ठोस परिणामों पर आधारित है, जो 60 से अधिक देशों में लागू किया गया है।

यह मेटा-फ्रेम एक साथ समय में समस्याओं को हल करने और मापने योग्य परिणाम उत्पन्न करने,

अप्रभावी प्रणालियों और सांस्कृतिक मानदंडों को बदलने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो इन समस्याओं को बनाए रखते हैं, और व्यक्तियों की आंतरिक क्षमता, सार्वभौमिक मूल्यों और परिवर्तनकारी नेतृत्व से प्राप्त नए पैटर्न बनाते हैं। यह 'विकास' की पुनर्परिभाषा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिसमें हमारे आंतरिक और बाहरी संसार, दोनों को व्यक्तियों और समूहों के रूप में शामिल किया गया है, ताकि हम जिन चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, उनसे निपटने के लिए मानवीय और सांस्कृतिक क्षमताओं की व्यापक पहुँच का स्रोत बन सकें।

यह प्रतिमान बदलाव के तीन धागों को आपस में जोड़ता है: (a) कार्य के लिए हमारी आत्मज्ञान /आंतरिक क्षमता और सार्वभौमिक मूल्यों का स्रोत बनाना; (b) सांस्कृतिक मानदंडों, प्रणालियों और संरचनाओं को बदलना जो यथास्थिति को बनाए रखते हैं और सैद्धांतिक रूपांतरकारी लीडर बन जाते हैं; और (c) समस्याओं को हल करना ताकि विशिष्ट समता और टिकाऊ परिणाम उत्पन्न हो सकें।

जागरूकता पूर्ण स्पेक्ट्रम प्रतिक्रिया मॉडल परिवर्तन के लिए एक आधारभूत विकास मॉडल है। यह एक अंतःविषय मॉडल और कार्यनीति कार्य के लिए ढांचा है और यह विभिन्न क्षेत्रों, विभिन्न नजरिये के ढांचों को समेटने के लिए पर्याप्त रूप से मजबूत है। जागरूक पूर्ण स्पेक्ट्रम प्रतिक्रिया मॉडल किसी भी क्षेत्र में लागू किया जा सकता है क्योंकि यह विषय-निर्पेक्ष है और यह बहु- नजरियों को एक साथ रखते हुए भी सैद्धांतिक कार्य और परिणाम उत्पन्न करने की क्षमता को प्रोत्साहित करता है। यह नई सोच और कार्य करने का तरीका आज के लीडर - सामाजिक और पर्यावरणीय अभ्यासकों, शिक्षकों, मीडिया और कानूनी पेशेवरों, कार्यकर्ताओं और परोपकारी व्यक्तियों, उद्यमियों और सरकारी प्रतिनिधियों/स्टाफ के लिए सिद्धांतों, उद्देश्य और अभ्यास के गहन संगम का अनुभव करने का एक नया मार्ग प्रदान करता है, जो पूरे मानवता के लिए ठोस परिणाम उत्पन्न करते हैं।



कार्यक्रम पारंपरिक सीमाओं को दूर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें वर्तमान और उभरती परिवर्तन प्रक्रियाओं के सभी प्रासंगिक आयामों को समेटने वाले व्यापक दृष्टिकोणों का एक सेट प्रस्तुत किया गया है। यह नागरिकों और परिवर्तन के संरक्षकों/नेताओं को अपने स्वयं के परिवर्तनकारी प्रक्रिया को तेज करने की आवश्यकता रखता है। डिज़ाइन प्रतिभागियों से यह अपेक्षा करता है कि वे अपने प्रोजेक्ट्स को बनाएं जिन्हें वे महत्वपूर्ण मानते हैं और जिन्हें वे बदलना चाहते हैं, और बड़े पैमाने पर कार्य और नवाचार का अन्वेषण करें।

"हमने अब तक जिस स्तर की सोच के परिणामस्वरूप दुनिया बनाई है, वह ऐसी समस्याएं पैदा करती है जिन्हें हम उसी स्तर पर हल नहीं कर सकते हैं जिस पर हमने उन्हें बनाया है ... यदि मानव जाति को जीवित रहना है तो हमें वास्तव में एक नए तरीके की सोच की आवश्यकता है।" - अल्बर्ट आइंस्टीन

"गरीबी कोई दुर्घटना नहीं है। गुलामी और रंगभेद की तरह, यह भी मानव निर्मित है और इसे मानव के कार्यों द्वारा हटाया जा सकता है।" - नेल्सन मंडेला

कौन भाग ले सकता है?

कोई भी व्यक्ति और संगठन जो समानता, मानव एकता और सभी के लिए गरिमा की दिशा में कार्यरत है या समाज में सामाजिक और पर्यावरणीय कल्याण के लिए बदलाव लाने की इच्छा रखता है; शिक्षा/अकादमिक, कॉर्पोरेट, सरकार, नागरिक समाज, और संचार एवं मीडिया के क्षेत्र में कार्यरत संगठन और व्यक्ति भाग ले सकते हैं। किसी संगठन या टीम से एक से अधिक प्रतिभागियों को आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

कार्यक्रम की तिथियाँ

सत्र 1: 12-14 सितंबर 2025 (शुक्र-रविवार)

सत्र 2: 31 अक्टूबर - 2 नवंबर 2025 (शुक्र-रविवार)

सत्र 3: 5-7 दिसंबर 2025 (शुक्र-रविवार)

सभी प्रतिभागियों को प्रत्येक कार्यक्रम के सभी दिनों और तीनों सत्रों में भाग लेने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए। सत्र या किसी भी दिन की अनुपस्थिति के परिणामस्वरूप आगे के सत्र/दिन में भाग न लेना और कोर्स/कार्यशाला से बाहर हो जाना होगा।

कार्यक्रम में 3 सत्रों की एक श्रृंखला शामिल है। नई क्षमताओं को बढ़ाने के लिए नए ढांचे और उपकरण प्रस्तुत किए जाते हैं; और मध्यवर्ती साप्ताहिक सत्रों में, हम इन शिक्षाओं और क्षमताओं को कार्यान्वित करते हैं। प्रतिभागी विभिन्न क्षेत्रों के अन्य लोगों के साथ काम करते हैं ताकि हम तालमेल में काम करने के लिए सामान्य भाषा और प्रथाओं का निर्माण कर सकें।

कार्यशाला का समय

सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक (भारतीय मानक समय)

सिवाय पहले सत्र के पहले दिन: सुबह 10:00 बजे से शाम 6:30 बजे तक।

आवेदन करने के लिए

फॉर्म भरें [click here](#)

- 1 जुलाई 2025: प्रारंभिक पंजीकरण और भुगतान पर 20% की छूट।
- 25 अगस्त 2025 : पंजीकरण की अंतिम तिथि
- 1 सितंबर 2025: कार्यशाला शुल्क का भुगतान करने की अंतिम तिथि

पंजीकरण शुल्क

- शुल्क - ₹25,724 (GST सहित)।
- प्रारंभिक पंजीकरण और भुगतान (1 जुलाई से पहले) पर 20% छूट - ₹20,580 (GST सहित)।

नोट:

- कार्यशाला शुल्क में अध्ययन/संसाधन सामग्री, भोजन (नाश्ता, दोपहर का भोजन, दिन में दो बार चाय और बिस्कुट) और स्थल शुल्क का योगदान शामिल है।
- इस कार्यशाला में प्रतिभागियों के यात्रा, आवास (Stay) और रात्रि भोजन की लागत **शामिल नहीं** है।(यदि प्रतिभागियों को कार्यशाला स्थल पर ठहरने की आवश्यकता है, तो सामान्य मूल्य पर आवास की सुविधा उपलब्ध है, जिसे वे स्वयं भुगतान करेंगे।)
- यह एक प्रायोजित कार्यक्रम नहीं है, और हमें कार्यशाला के लिए कोई अनुदान/धन प्राप्त नहीं हुआ है।
- किसी भी सहायता के लिए कृपया ग्लासिका वर्मा (6260337629) या team@rtlworks.com पर हमसे संपर्क करने में संकोच न करें।
- यदि आप किसी उम्मीदवार को प्रायोजित करना चाहते हैं या छात्रवृत्ति में योगदान देना चाहते हैं, तो **कृपया ग्लासिका वर्मा (6260337629) या team@rtlworks.com पर संपर्क करें।**

RTL टीम (सिग्नल/व्हाट्सएप): +91 9869219901

प्रतिभागियों के विचार

"मेरे लिए 2014 से स्टूवर्डशिप कार्यक्रम में भाग लेना मुझे एक मजबूत व्यक्ति बनने में मदद मिली है और मुझे यह साहस दिया है कि मैं न्याय और निष्पक्षता के लिए अपनी स्थिति और सिद्धांतों से बोल सकूँ, परिणामों और अपने भय की चिंता किए बिना। स्टूवर्डशिप कार्यक्रम में उपयोग किए गए विभिन्न उपकरणों ने मुझे अपने सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य परियोजना को पुनः डिज़ाइन करने में सक्षम बनाया है, जो अब अधिक समावेशी, टिकाऊ और बहु-हितधारकों को संलग्न करने वाला है।"

"RTL ने मुझे उस स्थान पर पहुंचाया जहां मैं खुद को खोज सकता हूँ, घर, कार्यस्थल और समाज में रोजमर्रा के कार्यों में जान ला सकता है। मैं खुद को रोजमर्रा के कार्यों में एक जुड़े हुए अस्तित्व के रूप में देखता हूँ। CFSR मॉडल और सभी उपकरणों ने मुझे इस बात पर स्थिर रहने में मदद की है कि मुझे जिसकी परवाह है, जटिलताओं का सामना करने के लिए बड़ी तस्वीर देखना और वास्तविकता में कार्य करना।"

"स्टीवर्डशिप कार्यक्रम ने मुझे उस ज़िम्मेदारी के प्रति जागृत किया कि मुझे दुनिया में परिवर्तन के एक एजेंट के रूप में अपनी पूरी क्षमता से उस चीज़ से जुड़ना है जिसकी मैं वास्तव में परवाह करता हूँ। इसने मुझे आज की दुनिया में स्पष्ट असमानता और ध्रुवीकरण का सामना करने, सभी के लिए समानता की बात

करने वाले सार्वभौमिक मूल्यों में खड़े होने का साहस दिया। कार्यक्रम ने मुझे अलग तरीके से डिज़ाइन करना सिखाया, हमेशा सार्वभौमिक मूल्यों को मुख्य तत्व के रूप में रखते हुए, जबकि उन मानदंडों और प्रणालियों को चुनौती देते हुए जो समस्याएं उत्पन्न करते हैं और उन्हें बनाए रखते हैं, और मूल्यों-आधारित समाधानों को डिज़ाइन और कार्यान्वित करते हैं जो किसी को भी बाहर नहीं छोड़ते हैं। मुझे लगता है कि मैं विकास और सतत सीखने के एक मार्ग पर चल रहा हूँ जो जीवनभर चलेगा।”

“मैं अपने और दूसरों के लिए समानता और समता के लिए खड़ा हूँ। स्टूवर्डशिप कार्यक्रम मुझे लगातार यह सोचने में मदद करता है कि मैंने क्या किया है और मैं क्या करने जा रहा हूँ, ईमानदारी के दृष्टिकोण का उपयोग करके और विनाशकारी क्रोध को साहसी हृदय प्रतिक्रिया में परिवर्तित करके। यह मुझे खुद से सवाल करने और समस्याओं को अवसरों के रूप में देखने की आवश्यकता महसूस कराता है। मैं उपकरणों और टेम्प्लेट्स का उपयोग करता हूँ ताकि मैं अपने आप को संरक्षित कर सकूँ, अपने आप को स्थिर कर सकूँ और एक मानव के रूप में संपूर्ण महसूस कर सकूँ।”

“एक प्रक्रिया जिसने मुझे यह देखने में मदद की है कि मैं परिवर्तन का एक एजेंट हूँ, यह एक उत्प्रेरक था जिसने मुझे उस परिवर्तन का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित किया जिसे मैं देखना चाहता हूँ, इसने मेरे सपनों को विस्तारित और संरचित किया है और मुझे इन सपनों को सभी के लिए एक बेहतर जीवन के लिए प्रकट करने के लिए स्थान और उपकरण दिए हैं। यह एक सतत गहरा और रोजमर्रा का अभ्यास है।”

रिसोर्स पर्सन्स के बायोसकेचेस:

मुख्य रिसोर्स पर्सन्स: डॉ. मोनिका शर्मा, जिन्होंने एक चिकित्सक और महामारी विशेषज्ञ के रूप में प्रशिक्षण प्राप्त किया है और 1988 से 22 वर्षों तक संयुक्त राष्ट्र के लिए कार्य किया। वर्तमान में, वह सतत और न्यायपूर्ण परिवर्तन के लिए नेतृत्व विकास पर एक अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ और प्रैक्टिशनर के रूप में विश्वभर में कार्य करती हैं। वह संयुक्त राष्ट्र, विश्वविद्यालयों, प्रबंधन संस्थानों, सरकारों, व्यवसायों, मीडिया और नागरिक समाज संगठनों के साथ काम करती हैं।

वह पुरस्कार विजेता पुस्तक "Radical Transformational Leadership: Strategic Action for Change Agents" की लेखिका हैं। उन्होंने एक अद्वितीय प्रतिक्रिया मॉडल – एक जागरूक पूर्ण-स्पेक्ट्रम प्रतिक्रिया मॉडल – तैयार किया, जो कई सतत विकास लक्ष्यों से संबंधित समतामूलक और सतत परिणाम उत्पन्न करने के लिए व्यापक रूप से लागू किया गया।

एक प्रैक्टिशनर के रूप में, उनकी मापने योग्य परिणामों को बड़े पैमाने पर उत्पन्न करने की सिद्ध उपलब्धियां, सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की विशेषज्ञता, और प्रत्येक महाद्वीप पर नेतृत्व को बढ़ाने की उनकी योग्यता अद्वितीय हैं।

चित्रा आर. लक्ष्मण एक पेशेवर रूप से योग्य सामाजिक कार्यकर्ता हैं जो पिछले पच्चीस वर्षों से मुंबई के एक शहरी झुग्गी में विकलांगता प्रबंधन और सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम कर रही हैं। उनका काम विकलांगता वाले छात्रों को उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यावसायिक प्रशिक्षण आवश्यकताओं में समर्थन प्रदान करना शामिल है। उनका दृष्टिकोण सामुदायिक आधारित पुनर्वास की पूरी प्रक्रिया में परिवार को शामिल करना है।

मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के क्षेत्र में उनका काम भेदभाव और मानसिक बीमारी से पीड़ित लोगों के बहिष्करण के कलंक को तोड़ने के उद्देश्य से है। यह सामुदायिक क्लिनिक चलाकर और मानसिक

स्वास्थ्य और कल्याण के महत्व पर समुदाय को जागरूक करके किया जा रहा है।

पिछले नौ वर्षों से RTL प्रैक्टिशनर होने के नाते, वह कहती हैं, "इसने मुझे अपने जीवन में उद्देश्य खोजने में मदद की है मेरे संवाद और क्रियाओं के माध्यम से। जब मैं आज कोई क्रिया करती हूँ, चाहे वह कितनी भी छोटी क्यों न हो, यह गरिमा, समानता और करुणा पर आधारित होती है। मैं अपने रोज़मर्रा के कार्यों के प्रति अधिक सचेत हो गई हूँ" और मुझे घर, काम और समाज में परिणामों को उजागर होते हुए देखने को मिल रहा है।

ग्लासिका वर्मा एक सामाजिक कार्य परामर्शदाता हैं और RTL-Works ग्लासिका की सहायक समन्वयक हैं। वे मानवता, खुशी और आनंद की गहरी परवाह करती हैं। वर्तमान में, वे RTLWorks में कार्यक्रम समन्वयक के रूप में कार्यरत हैं। वे RTL ग्लोबल मानसिक स्वास्थ्य समूह की सदस्य भी हैं। उन्होंने पहले इंजीनियरिंग की पढ़ाई की और उसके बाद टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, गुवाहाटी से पेशेवर सामाजिक कार्य परामर्शदाता प्रशिक्षण प्राप्त किया। वे एक RTL प्रैक्टिशनर कोच हैं और RTL उपकरणों और टेम्पलेट्स का उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित हैं, जिनका वे स्कूल में कल्याण को बढ़ावा देने के लिए अपने काम में उपयोग करती हैं। वे स्कूल के बच्चों के लिए मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक शिक्षा (SEL) के क्षेत्र में भी काम करती हैं। वे हाशिए पर रहने वाले समुदायों के साथ मिलकर कल्याण और सहानुभूति को बढ़ावा देने का कार्य करती हैं।

सुदर्शन रोड्रिगज RTLWorks के सीईओ हैं और पर्यावरण विज्ञान, आपदा प्रबंधन और आजीविका में व्यापक विशेषज्ञता रखते हैं। वह एक प्रैक्टिशनर कोच हैं, जिन्हें कॉन्शियस फुल-स्पेक्ट्रम रिस्पांस मॉडल में प्रशिक्षण प्राप्त है, जो डॉ. मोनिका शर्मा द्वारा विकसित और बनाए गए सार्वभौमिक मूल्यों और नैतिकता पर आधारित एक ट्रांसफॉर्मेशनल लीडरशिप दृष्टिकोण है। उनकी ग्रह और मानव कल्याण के लिए काम करने की प्रेरणा और दुनिया भर में लोगों के विकास के लिए दृष्टिकोण उन्हें अन्य लोगों से अलग बनाता है।

श्रीलता जुव्वा एक सामाजिक कार्य शिक्षा विशेषज्ञ और टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस, मुंबई में प्रोफेसर हैं। वह एक प्रैक्टिशनर कोच हैं, जिन्होंने डॉ. मोनिका शर्मा की रैडिकल ट्रांसफॉर्मेशनल लीडरशिप में प्रशिक्षण प्राप्त किया है और इसका उपयोग उच्च शिक्षा और मानसिक स्वास्थ्य तथा विकलांगता के सेवा वितरण को बदलने के लिए करती हैं। वह इन उपकरणों और टेम्पलेट्स का उपयोग मानसिक स्वास्थ्य और विकलांगता के अपमानजनक नैरेटिव को बदलने के लिए करती हैं, जिससे लोगों में गरिमा, पूर्ण क्षमता और नैतिक नेतृत्व को बढ़ावा मिलता है



RADICAL TRANSFORMATIONAL LEADERSHIP WORKSHOP (HINDI) RAIPUR, CHHATTISGARH 2025

Session 1: 12-14 September 2025 (Fri-Sun)

Session 2: 31 October - 2 November 2025 (Fri-Sun)

Session 3: 5-7 December 2025 (Fri-Sun)

This social transformation programme is designed to unleash the full potential and ethical leadership in ourselves and inspire others to do so to transform our lives, our work and our society by leading our projects using a whole systems methodology and design principles. It will provide you with approaches, templates and tools to expand your reach and impact, through shaping a breakthrough initiative, which transforms how you lead your projects and make a difference locally and in the world. It offers opportunities to established or budding leaders from the public, private, and non-profit organizations to build results/action-based alliances and create paradigmatic shifts.

BACKGROUND

RTLWorks is committed to realizing the Sustainable Development Goals (SDGs) through constellation of individuals and organizations committed to well-being for all and this is very relevant to today's times.

Everybody can choose to be a radical transformational leader and contribute to addressing our challenges be it in our society, home or workplace. This needs new transformations that source our inner capacities, and new design to make a difference. This implies that we can shift unworkable cultural norms and systems to generate extraordinary results.

Today, we face conflicts and crises for our planet and humanity that shake the very foundation on which we exist. Even though we know what to do to solve problems of injustice and poverty, respond to the environmental crisis, and have the resources; often, we neither act for our well-being nor address crucial issues to create a thriving community and planet. An alignment is missing between these actions and our deepest values, leading to partial responses. Alignment with our innate values, such as caring and dignity. These deep values are "universal values" that apply to everyone, everywhere, not just to those close to us.

Solutions lie in our capacity to design and implement large scale programs in society and in institutions in a more sustainable and equitable manner. To do this, we must locate new opportunities; integrate short- and long-term thinking and harness knowledge and technology to create new patterns and systems by embodying values, respecting everyone and embracing diversity. This calls for creating cultural transformation that is large scale and sustainable through generative conversations and action that enhance wellbeing and equitable growth of all.

There are some critical questions that we face and must ask:

- Why does 1 % of the world population own 44% of the global assets? (Credit Suisse Global Wealth Report 2019).



- Why does our country - and the world - continue to be challenged by so much injustice, social exclusion, inequities, and disparities?
- With the Indian economy now the 12th largest in the world, why does one farmer commit suicide every 30 minutes? Why is there a growing intolerance to differences and diversity?

Answering these questions, will require us to shake off the fragmented approaches of the past, and evolve new ways of being, thinking and acting that fundamentally transform the theories and nature of the current development practices.

Philanthropic and corporate engagement in India has been increasing and has a potential to positively impact our society through sustainable measures to address environmental, social and governance challenges. Transforming and building leadership in the health and education sectors (schools and colleges) is a strategic opportunity to bring about a new and next generation of 'responsible global citizenry and youth of the world' given the demographic pattern and the large proportion of youth in India. It calls for citizens to not only respond to the pandemic, but to also realize their potential to build resilience and create thriving and healthy societies that place emphasis on healing and wellbeing.

PURPOSE OF THE PROGRAMME

To foster leaders and organizations who source their full potential for ethical leadership and hold multiple principled perspectives based on universal values in solving problems by shifting systems and cultural norms for human and environmental wellbeing.

OBJECTIVES

1. Source one's creativity and full potential for strategic and ethical action.
2. To explore the potential of human beings to realize their purpose in life and contribute towards this, while generating results by shifting unworkable systems.
3. Stimulate pattern thinking when identifying systems leverage and strategic drivers to transform systems of injustice and inequality while solving problems synergistically.
4. Create effective implementation strategies in the context of breakthrough initiatives to generate outcomes and impact; and know how to transform breakdowns into breakthroughs while in action, especially to deal with the pandemic.
5. Formulate and align strategic actions and results to establish equitable and sustainable change. Design operational strategies to scale our ideas for immediate results as well as long term and large-scale sustainable impact.
6. Enable participants to move from only managing projects to leading transformational change and deliver tangible results based on ethics and universal values; practicing transformation techniques and methodologies in routine activities. Forge results-oriented partnerships across sector, issues, regions that will substantially strengthen each project and ensure large scale impact and transformation at the micro and macro levels.
7. To identify and interrupt disempowering and exclusionary practices and 'isms' that limit strategies projects towards a thriving society and planet.

8. Create trans-disciplinary strategies for ethical action and results dedicated to synergetic solutions.

ABOUT THE PROGRAM

RTL Here and Now is an innovative leadership program that has been proven all over the world to generate paradigmatic shifts. This is a unique whole systems transformation-oriented, learning-in-action program that grounds us in the essence of our being - our deepest values and existing expertise, enables us to hold multiple perspectives and guides us in designing for cultural and system-level changes.



THE MODEL

The programme will use a unique response model - the Conscious Full-Spectrum Response (CFSR) model - which is a cutting-edge, new generation thinking that has been proven to generate transformative changes worldwide and is designed by Dr. Monica Sharma (author of "Radical Transformational Leadership: Strategic Action for Change Agents"). The book is based on her vast and extensive experience over 35 years of application of various methods, templates and tools for tangible results for people's development worldwide, in over 60 countries.

This meta-frame is designed to, simultaneously in time, solve problems and generate measurable results, transform unworkable systems and cultural norms that perpetuate these problems, and create new patterns sourced from individuals' inner capacity, universal values and transformational leadership. It plays a critical role in redefining 'Development' encompassing our inner and outer worlds, both as individuals and groups, so as to source the far reaches of the human and cultural capabilities to address the challenges we face.

It intertwines three threads of a paradigm shift: (a) source our wisdom/inner potential and universal values for action; (b) shift cultural norms, systems, and structures that maintain the status quo and become principled game changers; and (c) solve problems in order to generate

specific equitable and sustainable results.

The Conscious Full Spectrum Response Model is the foundational development model for transformation. The Conscious Full-Spectrum Response (CFSR) model is a transdisciplinary model and template for strategic action and is robust enough to hold the frameworks of different disciplines, various schools of thought. The Conscious Full-Spectrum Response model can be applied to any field since it is subject-agnostic and fosters the ability to simultaneously hold multiple perspectives and yet have principled action and results. This new way of thinking and doing offers a new path for today's leaders-social and environmental practitioners, teachers, media and legal professionals, activists and philanthropists, entrepreneurs and government representatives/staff-to experience the deeper convergence of principles, purpose and practice to generate concrete results that benefit all of humanity.



The program is designed to overcome traditional limitations by introducing a comprehensive set of approaches that encompasses all relevant dimensions of current and emerging change processes. It requires citizens and stewards/leaders of change to accelerate their own transformative process. The design requires participants to build upon their projects that they care about and wish to transform and explore work at scale and innovate.

“The world we have made as a result of the level of thinking we have done thus far creates problems that we cannot solve at the same level at which we have created them... We shall require a substantially new manner of thinking if humankind is to survive...” - Albert Einstein

“Poverty is not an accident. Like slavery and apartheid, it is man-made and can be removed by the actions of human beings.” - Nelson Mandela

Who can participate?

Any individual and organization who burns for equity, human unity and dignity for everyone and is in action or desire to make difference in our society for social and environmental well-being; organizations and individuals in Education/Academia, Corporate, government, Civil society and Communication and Media. More than one participant from an organization or team is encouraged to apply.

WORKSHOP DATE

Session 1: 12-14 September 2025 (Fri-Sun)

Session 2: 31 October - 2 November 2025 (Fri-Sun)

Session 3: 5-7 December 2025 (Fri-Sun)

All participants must commit to participating in all days of each programme and in all the four sessions. Missing sessions or any day will result in not continuing further sessions/days and dropping out of the course/workshop.

The program consists of a series of 3 sessions. New templates and tools to enhance capacities are introduced; and in interim weekly sessions, we practice these learnings and capacities in action. Participants work alongside others from a variety of disciplines to build common language and practices so that we can work in synergy.

TIME

TIME- 9:00 AM-6:30PM (IST)

Except Day-1 Session 1: 10:00AM to 6:30PM

TO APPLY

To fill form [click here](#)

1 July 2025: Early bird discount of 20%

25 August 2025: Last date of registration

1 September 2025: Last date for Payment for workshop fee

REGIATRATION FEE

- Payment - ₹25,724 (Including GST)
- Register and Payment before 1 July 2025 and get a 20% early bird discount - ₹20,580 (Including GST)

NOTE:



Radical Transformational Leadership for Realizing SDGs

- Registration fee includes reading/resource material, Food (Breakfast, Lunch, 2 times tea and Snacks) and cost of the Venue.
- The registration fee does **NOT include** participants' travel, stay, or dinner. (If participants need accommodation at the workshop venue, lodging is available at standard rates, which they will pay themselves)
- This is not a sponsored program and we have not procured grants for the workshop, but we are exploring for scholarships.

Please feel free to contact us for any assistance at
Glasika (6260337629) team@rtlworks.com
RTL Team (signal/WhatsApp): +91 9869219901

What Participants Say

"For me undergoing the stewardship program since 2014 has helped me to become a stronger person and given me the courage to speak from stand and principles for justice and fairness without worrying about the consequences and my fears. The various tools used in the Stewardship Program has enabled me to redesign my community mental health project which is now more inclusive, sustainable and engaging multiple stakeholders".

"RTL took me to a place where I could explore myself, create meaning in everyday actions at home, workplace and society. I see myself as an interconnected being in my everyday actions. The CFSR model and all the tools have helped me anchor myself in what I care about, see the big picture to navigate through complexities and be in action in reality."

"The Stewardship program woke me to the responsibility I have to be in my full potential connected to what I really care about as an agent of change in the world. It gave me the courage to face the disparity and polarization that is so evident in today's world, to stand in universal values speaking up for equity for all. The program taught me to design differently, always keeping universal values as the core element while challenging norms and systems that create and maintain problems and designing and implementing values-based solutions that leave no-one out. I feel I am walking a path of growth and continual learning that will be lifelong".

"I stand for equality and equity for myself and others. Stewardship helps me to constantly reflect on what I have done and what I am going to do by using the integrity lens and transforming destructive anger to courageous heart response. It makes me question myself and look at problems as opportunities. I use the tools and templates to align, ground myself and to feel whole as a human being".

"A process that has helped me to see that I am an agent of change, it was a catalyst that has stimulated me to be part of the change I wish to see, it has expanded and structured the way I dream and given me the space and tools to manifest these dreams for a better life for all. It is a continuous deepening and day to day practice".



BIOSKETCHES OF THE RESOURCE PERSONS

Main Resource Person: Dr. Monica Sharma trained as a physician and epidemiologist, worked for the United Nations since 1988 for 22 years. Currently, she engages worldwide as an International Expert and Practitioner on Leadership Development for sustainable and equitable change. She works with United Nations, Universities, Management Institutions, governments, business, media and civil society organisations. She is the author of the award-winning book “Radical Transformational Leadership: Strategic Action for Change Agents”. She created a unique response based on extensive application – a conscious full-spectrum model- that generated equitable and sustainable results related to several Sustainable Development Goals, worldwide. As a practitioner, her proven track record of generating measurable results at scale, expertise related to achieving sustainable development goals as well as enhancing leadership on every continent, are unique.

Chitra R. Lakshman is a professionally qualified social worker has been working in the field of disability management and community mental health over the past twenty-five years in an urban slum in Mumbai. Her work as Hon. Director at Vidya Vardhini Foundation Trust in Mumbai includes support for students with disability towards their education , health and vocational training needs. The approach is to engage the person with disability, the family and the community in the process of rehabilitation.

Her work in the area of disability has been to promote equity and inclusion by integrating children and young adults with special needs in mainstream schools and institutions of higher learning. She also actively engages with families to take the responsibility of nurturing the full potential of their wards, not only by way of education but also through co-curricular activities of music, drama, art and sports.

Being an RTL practitioner since the past nine years, she says “it has helped me to find my purpose in life through my conversations and action. When I take an action today however small that maybe it is based on dignity, equity and compassion. I have become more mindful of my everyday actions” and can see the results unfold at home, at work and in society.

Glasika Verma cares deeply about humanity, joy and happiness. She currently works as program coordinator of RTLWorks. She is a member of the RTL Global Mental Health group. She trained to be an engineer and thereafter pursued professional social work counsellor training from the Tata Institute of Social sciences, Guwahati. She is an RTL Practitioner Coach and has been trained in using the RTL tools and templates and applies them in her work on promoting wellbeing in the school. She also works in the field of mental health and emotional learning (SEL) for schoolchildren. She works closely with marginalised communities to foster well-being and empathy.

Srilatha Juvva is a social work educator and Professor with the Tata Institute of Social Sciences in Mumbai. She is a practitioner coach, trained in Dr. Monica Sharma’s Radical Transformational Leadership and applies this to transform higher education and in-service delivery for mental health and disability. She uses these tools and templates also to transform disempowering narratives of mental health and disability through fostering dignity, full potential and ethical leadership in people.

Sudarshan Rodriguez is the CEO at RTLWorks and has a wide range of expertise in





Radical Transformational Leadership for Realizing SDGs

environmental sciences, disaster management and livelihoods. He is a practitioner coach trained in the Conscious Full-Spectrum Response Model, a transformational leadership approach based on universal values and ethics developed and created by Dr. Monica Sharma. His passion to work for planetary and people's well-being and vision for people's development worldwide makes him stand out from the crowd.

